119

खंड ६ संख्या १

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी रिपोर्ट

(भाग २—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर रहित)

सोमवार, तिथि १४ सितम्बर १९५९

Vol. VI No. 1

The Bihar Legislative Assembly Debates

Official Report

(Part II—Proceedings other than Questions and Answers)

Monday, the 14th September, 1959

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय, बिहार
पटना, द्वारा मुद्रित
१९६०

[मूल्य—३७ नये पैसे ।]
[*Price—37 Naye Paise.*]

सिंहभूमि में उन्नत औजारों का व्यवहार।

२२५। श्री शुभनाथ देवगम—क्या मंत्री, कृषि विभाग यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) सिंहभूमि जिला कृषि विभाग के जिम्मे में वर्त्तमान कृषि के कौन-कौन उन्नत औजार पड़े हुए हैं और हर एक औजार की संख्या दाम सहित क्या है;

(२) उन्नत औजारों में किन-किन औजारों का व्यवहार लोगों ने बिल्कुल नहीं किया और किन-किन औजारों का व्यवहार कितने प्रतिशत लोगों ने किया?

श्री वीरचन्द पटेल—(१) उन्नत कृषि औजारें जो पड़े हुये हैं:—

	संख्या।	दाम प्रति औजार।
(क) कल्टीवेटर	२	४०
(ख) जापानी वीडर	४	१४
(ग) वेटलैंड पडलर	१	४८
(घ) पैडी थ्रेसर	२	१४५

(२) निम्न लिखित उन्नत औजारों का व्यवहार लोगों ने बिल्कुल नहीं किया:—

(क) वीनेइंग फैन

(ख) वन्ड फारमर।

यह औजार इस समय जिला कृषि विभाग में पड़े हुए नहीं हैं परन्तु पहले जो आये थे तथा किसानों को दिये गये थे उस आधार पर देखा गया कि इनका व्यवहार किसानों ने बिल्कुल ही नहीं किया।

निम्नलिखित प्रतिशत में उन्नत औजारों का लोगों ने व्यवहार किया:—

	प्रतिशत।
(क) कल्टीवेटर	०.१
(ख) रीजर	०.१
(ग) जापानी वीडर	०.५
(घ) वेटलैंड पडलर	०.१

जापानी पद्धति से खेती।

२२६। श्री कर्पूरी ठाकुर—क्या मंत्री, कृषि विभाग यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) सारे बिहार राज्य में प्रथम पंचवर्षीय योजना काल में जापानी पद्धति से खेती कितनी एकड़ जमीन में की गई थी और उससे पैदावार की वृद्धि कितने परिमाण में कितने प्रतिशत हुई;

(२) १९५६-५७ तथा १९५७-५८ में कितनी एकड़ जमीन में जापानी पद्धति से खेती की गई और पैदावार की दृष्टि से उसका परिणाम क्या आया ;

(३) आगामी दो वर्षों में इस पद्धति से खेती करने की क्या योजना है ?

श्री वीरचन्द पटेल—(१) ९६,३९३ एकड़ में और उससे ४४,८६७ टन अतिरिक्त धान १२.६७ टन प्रति एकड़ की दर से पैदा हुआ।

(२) एवं (३) वह इस प्रकार है:—

वर्ष।	एकड़।	अतिरिक्त पैदावार।
१९५६-५७	१,४१,५०९	६०,३०५ टन।
१९५७-५८	२,२५,३५६	१,६७,९८२ टन।
तथा		
१९५८-५९	५,०७,९८४	३,७८,६५५ टन।

१९५९-६० लक्ष्य ८,३८,८०० एकड़।

कृषि फार्म पर खर्च।

२२७। श्री कपिलदेव सिंह—क्या कृषि मंत्री, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) मुंगेर जिले में कितने कृषि फार्म है अलग-अलग उनका क्या रकबा है और उनके इन्तजाम में मासिक खर्च सरकार का क्या है ;

(२) १९५६-५७ और ५८ साल में उन फार्मों को पैदावार से क्या आमदनी रही है और खर्चा कितना किया गया है ?

श्री वीरचन्द पटेल—(१) सूची नीचे दी गई है।

(२) वे इस प्रकार हैं :—

वर्ष।	खर्च।			आमदनी।		
	रु०	आ०	पा०	रु०	आ०	पा०
१९५५-५६	२२,४५०	३	९	१६,६०९	१०	९
१९५६-५७	५५,००१	१०	६	१९,९११	७	३
१९५७-५८	४०,४६०	२	३	१९,८६३	१२	३

ये आंकड़े २१ प्रक्षेत्रों में से केवल तीन प्रयोगात्मक प्रक्षेत्रों का है। बाकी १८ सम्वर्द्धन प्रक्षेत्रों का अधिकार मार्च, १९५८ में लिये जाने के कारण १९५५-५६ से १९५७-५८ तक इनके आंकड़े शून्य हैं।